भारत के वीर अभियान को दिए 21 लाख

- महाराजा अग्रसेन संस्थान का वार्षिकोत्सव।
- व्यवस्था-परिवर्तन के लिए चाहिए इमोशनल इंटेलिजेंस : डा. नन्द किशोर गर्ग।

पुष्कांत दुबे, नई दिल्ली

इंडिया से सजधज महाराजा अग्रसेन परिसर में चारों और उत्साही रंग बिखरे हुए थे। अवसर था वार्षिकोत्सव का। महाराजा अग्रसेन टेक्नीकल एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट स्टडीज के वार्षिकोत्सव में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान ने भारत के वीर अभियान के खाते में लिए 21 लाख रुपये दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों श्री हरी चंद अग्रवाल, अध्यक्ष, इंजीनियरिंग इंडिया (प्रा.) लिमिटेड और प्रवर्तन निदेशालय के पूर्व प्रमुख श्री करनैल सिंह के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक रूप से फूलों और स्वागत संबोधन से किया गया। स्वागत संबोधन में संस्थान के अध्यक्ष श्री प्रेमप्रकाश गोयल ने महाराजा अग्रसेन टेक्नीकल एजुकेशन सोसायटी की 20 साल की यात्रा पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल ने देश के विकास में शिक्षा संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि श्री करनैल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश को ऐसे संवेदनशील लोगों की जरूरत है जो सजग हो एवं सिस्टम को ठीक कर सकें और देश व समाज में व्याप्त समस्याओं को सुलझा सकें। देश के विकास का यही सही रास्ता हो सकता है। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डा. नन्द किशोर गर्ग ने कहा कि हम अपने संस्थानों में युवाओं को केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं दे रहे, बल्कि उन्हें देश और समाज के लिए भी तैयार कर रहे हैं। ऐसे इमोशनली इंटेलीजेंट युवा जो बिगड़ी व्यवस्था को बदल सकें।

उन्होंने मेधावी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए शिक्षा के साथ संस्कारी युवाओं की जरूरत है और महाराजा अग्रसेन संस्थान से ऐसे हजारों छात्र देश और समाज के लिए कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैट) की निदेशक डा. नीलम शर्मा और महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (मैम्स) के निदेशक प्रो. एम. के. भट ने अपने अपने संस्थानों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और संस्थान की पत्रिका 'अग्रणी संकल्प' का लोकार्पण किया गया।

इस समारोह में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।